POLITICAL SCIENCE Dep.
B.A.-III (Hons.), Paper-V

Dr. HUSNA ARA
Asst. Professor
Dr. L.K.V.D. College,
Tajpur, Samastipur

आधुनिक विचार (Modern Theory of Organisation)

आधुनिक विचार के अनुसार संगठन में मानव संबंधों को भी महत्वपूर्ण स्थान दिया जाना चाहिए। व्यवहारवादियों एवं सामाजिक मनोवैज्ञानिकों की मान्यता है कि संगठन की परिभाषा करते हुए मानव तत्व की उपेक्षा नहीं की जा सकती।

मिलवार्ड के अनुसार "संगठन अपने आप में कुछ नहीं करता जो कुछ भी करते हैं, संगठन के अनिवार्य अंग अर्थात् कर्मचारी-वृन्द ही करते हैं।"

पिफनर के शब्दों में, "संगठन का आशय व्यक्ति-व्यक्ति के मध्य तथा वर्ग-वर्ग के मध्य स्थापित संबंध हैं जो इस प्रकार आयोजित किए जाते हैं कि व्यवस्थित श्रम-विभाजन किया जा सके।"

स्टाइमन का मानना है कि "संगठन परस्पर व्यवहार करने वाले लोगों के वर्ग का ही नाम है।"

इसप्रकार संगठन एक प्रक्रिया है जिसके द्वारा कार्यों को पहचाना जाता है। संगठन उस मानव समूह का नाम है जो कुछ निश्चित उद्देश्यों के लिए सदस्यों के कर्तव्यों एवं उत्तरदायित्व का निर्धारण करते हैं।